यूजीसी कानून के विरोध में शहर सहित अंचल बंद

बाजार-यातायात पूरी तरह ठप, सवर्ण संगठनों का प्रदर्शन, व्यापारियों का स्वत: समर्थन, पुलिस रही अलर्ट

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 1 फरवरी। यूजीसी कानून के विरोध में रविवार को भिंड शहर सहित पूरे अंचल में व्यापक बंद देखने को मिला। एक दर्जन से अधिक सवर्ण संगठनों के आह्वान पर शहर के सभी प्रमुख बाजार पूरी तरह बंद रहे, जबकि यातायात व्यवस्था भी ठप हो गई। बंद का असर सुबह से ही दिखाई देने लगा और दिनभर शहर में सन्नाटा पसरा रहा।

रविवार सुबह भिंड के सदर बाजार, गोल मार्केट, बजरिया, सब्जी मंडी, पुस्तक बाजार, भूता बाजार और बताशा बाजार सहित सभी प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में एक भी दुकान नहीं खुली। मेडिकल दुकानों और आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर बाकी सभी प्रतिष्ठान बंद रहे। ई-रिक्शा, ऑटो और यात्री बसों का संचालन पूरी तरह बंद रहा, जिससे आम नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों से शहर आए उपभोक्ता बाजार बंद देख वापस लौटते नजर आए।

टोलियों में निकले संगठन, लगाए नारे : परशुराम सेना, हिंदू सेना, श्रीराम सेना, करणी सेना सहित अन्य सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता अलग-अलग टोलियों में शहर के बाजार क्षेत्रों में निकले। उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए यूजीसी कानून को तत्काल वापस लेने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने दुकानदारों से शांतिपूर्ण ढंग से सहयोग की अपील की, जिसके बाद पूरा शहर लगभग बंद की स्थिति में नजर आया।

जिलेभर में दिखा बंद का असर : भिंड शहर के साथ-साथ मेहगांव, गोहद, गोरमी, लहार, मिहोना और रौन कस्बों में भी बंद का व्यापक असर रहा। इन क्षेत्रों में भी बाजार पूरी तरह बंद रहे। व्यापारियों ने बिना किसी दबाव के अपने प्रतिष्ठान बंद रखे, जिससे आंदोलन को मजबूती मिली।

पुलिस रही सतर्क, ड्रोन-कैमरों से निगरानी : हड़ताल को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। शहर के प्रमुख चौराहों और बाजार क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात किया गया। लगातार पेट्रोलिंग की गई और हड़ताल में शामिल संगठनों की गतिविधियों की वीडियो रिकॉर्डिंग कराई गई। पुलिस की सतर्कता के चलते कहीं भी किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं हुई और बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी : संगठनों ने साफ कहा कि यदि केंद्र सरकार ने यूजीसी कानून पर पुनर्विचार नहीं किया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वहीं प्रशासन ने आम नागरिकों से शांति बनाए रखने और कानून व्यवस्था में सहयोग की अपील की है।

क्या बोले संगठन पदाधिकारी

श्रीराम सेना के रिर्षेन्द्र सिंह भदौरिया ने कहा कि यूजीसी कानून समाज में जातिगत असमानता को बढ़ावा देगा। इससे सामाजिक विभाजन गहराने और अपराध बढ़ने की आशंका है। परशुराम सेना के जिलाध्यक्ष देवेश शर्मा ने कहा कि यूजीसी कानून के विरोध में समाज के सभी वर्ग एकजुट हैं। व्यापारियों का स्वेच्छा से बाजार बंद रखना यह दर्शाता है कि जनता इस कानून के खिलाफ है। उन्होंने केंद्र सरकार से कानून वापस लेने की मांग की।

कलेक्टर ने किया अटेर किले का भ्रमण, पर्यटन विकास पर दिया जोर

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 1 फरवरी। कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने रविवार को ऐतिहासिक अटेर किले का भ्रमण कर पर्यटन की अपार संभावनाओं पर विचार किया। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने किले की ऐतिहासिक, स्थापत्य और पर्यटन महत्व की जानकारी ली तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर मीणा ने कहा कि अटेर किला भिंड जिले की धरोहर है और इसमें पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। जिला पुरातत्व एवं पर्यटन परिषद के माध्यम से किले के पर्यटन विकास के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि किले का समुचित संरक्षण, नियमित साफ-सफाई और पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएं तो यहां पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

कलेक्टर ने बताया कि किले में प्रवेश मार्ग, पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और सूचना बोर्ड जैसी सुविधाओं को बेहतर किया जाएगा। इसके साथ ही प्रशिक्षित गाइड सेवाएं शुरू करने पर भी विचार किया जा रहा है, जिससे पर्यटकों को किले के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व की विस्तृत जानकारी मिल सके। उन्होंने कहा कि अटेर किला न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह जिले की पर्यटन पहचान को भी मजबूती दे सकता है। पर्यटन बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने किले की वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया और संबंधित विभागों को आवश्यक सुधार कार्यों की योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि जिले के ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित कर उन्हें पर्यटन के मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाया जाए। कलेक्टर के इस दौरे से स्थानीय लोगों और पर्यटन से जुड़े लोगों में नई उम्मीद जगी है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में अटेर किला भिंड जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है।

जनहित पार्टी की 10 दिवसीय पदयात्रा शुरू

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 1 फरवरी। जनहित पार्टी द्वारा जनहित की मांगों और गोवंश संरक्षण के समर्थन में 10 दिवसीय पदयात्रा का शुभारंभ रविवार को चंबल पुल से किया गया। पदयात्रा की शुरुआत पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा सर्व समाज के साथ शांति यज्ञ कर की गई। इस दौरान सुख-समृद्धि, सामाजिक समरसता, सद्भावना और गोवंश की रक्षा के लिए संकल्प लिया गया।

जनहित पार्टी द्वारा आयोजित यह पदयात्रा 1 फरवरी से प्रारंभ होकर 11 फरवरी तक चलेगी। यात्रा का उद्देश्य जनहित की मांगों को लेकर जनजागरण करना और युवाओं को इस अभियान से जोड़ना बताया गया। पहले दिन सैकड़ों कार्यकर्ता हाथों में भगवा ध्वज लेकर पदयात्रा में शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद लगभग 20 किलोमीटर की पदयात्रा कर सरकार को जनहित मांगों के प्रति चेताया गया।

गांव-गांव पहुंचेगी पदयात्रा: पदयात्रा का रूट तय किया गया है। पहले दिन अटेर विधानसभा क्षेत्र के फूप में रात्रि विश्राम किया गया। दूसरे दिन 2 फरवरी को भिंड, 3 फरवरी को बरोही, 4 फरवरी को मेहगांव, 5 फरवरी को विरखड़ी, 6 फरवरी को गोहद, 7 फरवरी को तुकेड़ा, 8 फरवरी को मालनपुर, 9 फरवरी को बरेठा टोल, 10 फरवरी को दीनदयाल नगर में रात्रि विश्राम होगा।

कांग्रेस ने एससी बस्ती में मनाई संत रविदास जयंती

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 1 फरवरी। जिला कांग्रेस कमेटी शहर द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती वार्ड क्रमांक 39 स्थित एससी बस्ती मातादिन का पूरा में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह भदौरिया उर्फ पिंकी के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसजन और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सामाजिक समरसता का दिया संदेश

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह भदौरिया ने कहा कि महान संत गुरु रविदास जी ने समाज को जोड़ने और समानता का संदेश देने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि संत रविदास का विचार था— 'मन चंगा तो कठौती में गंगा', जो आडंबर, छुआछूत और जातिवाद के खिलाफ एक सशक्त संदेश है। संत रविदास जी ने सामाजिक समरसता और मानवता को सर्वोपरि मानते हुए समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने का प्रयास किया। कार्यक्रम में संतोष त्रिपाठी ने कहा कि संत रविदास जी ने अपने समय में समाज में फैले आडंबर, छुआछूत और जातिगत भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने बताया कि संत कबीरदास के साथ मिलकर संत रविदास जी ने सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष राहुल सिंह कुशवाह ने कहा कि संत रविदास जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को उनके बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं से संत रविदास के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से धर्मेंद्र सिंह भदौरिया पिंकी, संतोष त्रिपाठी, राहुल सिंह कुशवाह, स्मिता शर्मा, मुकेश गर्ग, दीपक शर्मा, बलराम जाटव, मोहर सिंह जाटव, शिवशंकर भदौरिया, सोहन तिवारी, सूरज पाल सिंह गोलू, ओमप्रकाश गर्ग, कैलाश नारायण गर्ग, रामरतन जाटव, रामरतन टेलर मास्टर, जितेंद्र वर्मा, मनोज श्रीवास, श्याम सिंह, प्रवीण गर्ग, सोनू बौद्ध सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सड़क पर खड़े हो रहे सवारी वाहन, राहगीर हो रहे परेशान

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 1 फरवरी। नगर परिषद गोरमी में प्रशासन अभी तक बस स्टैंड के लिए जगह चिहि-?त नहीं कर सका है। नगर में तहसील बने कई साल बीत चुके हैं, लेकिन लोगों को अभी तक बस स्टैंड की सौगात नहीं मिल सकी है। ऐसे में बस व जीप संचालक मजबूरन वाहनों को सड़क पर खड़े कर सवारियां बैठाते हैं। सड़क पर वाहन खड़ा होने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। रोड पर सबसे अधिक समस्या जाम की रहती है।

बावजूद नगर परिषद बस स्टैंड बनाने पर ध्यान नहीं दे रही है। यही वजह है कि बस संचालक अपनी बसों को मनचाही जगह पर रोककर सवारियां भरते हैं।

कस्बे में बस स्टैंड की सुविधा न होने से बीच सड़क पर सवारी वाहन खड़े होने से जाम के हालात बनते हैं। गोरमी में तहसील और नगर परिषद है, लेकिन बस स्टैंड की कमी लोगों को खल रही है, इसकी शिकायत स्थानीय लोगों के साथ बस संचालक कई बार नगर परिषद में कर चुके हैं। इस पर अधिकारियों या किसी नेता ने ध्यान नहीं दिया है। बसों में हजारों लोगों का सफर बिना बस स्टैंड के फीका हो रहा है। लोग लंबे समय से बस स्टैंड बनाने की मांग प्रशासन से कर रहे हैं।

बस चालकों से स्थानीय लोगों को हो रही परेशानी

गोरमी से भिंड, मेहगांव, मौ, पोरसा, अंबाह, मुरैना, कचनाव, राऊपुरा, अटेर, फूफ, इटावा और ग्वालियर तक के लिए लोग बसों में सफर करते हैं। इनमें अधिकांश बच्चे और महिलाएं सफर करते हैं। बस संचालकों द्वारा मनचाही जगह पर बसें रोकने से सवारियों को अधिक परेशानी होती है। बस स्टैंड न बनने से सफर करने वाले लोगों को कई सुविधाएं प्राप्त नहीं हो रही हैं। सबसे अधिक परेशानी लोगों को गर्मियों में सफर करते समय होती है। बच्चे व महिलाएं प्यास बुझाने के लिए पाउच व बोतलों का इस्तेमाल करते हैं।

जिला संयोजक ने किया छात्रावास का निरीक्षण

नवभारत न्यूज
मालनपुर 1 फरवरी। मालनपुर में संचालित शासकीय सीनियर बालक छात्रावास में सौरभ सिंह राठौर जिला संयोजक भिंड द्वारा छात्रावास का निरीक्षण किया और नवीन भवन का भी निरीक्षण किया एवं छात्रावास में आयोजित संत रविदास जयंती कार्यक्रम में जिला संयोजक ने संत रविदास जी की छायाचित्र पर माल्यार्पण किया और छात्रों को संत रविदास जी के मार्ग पर चलने का संदेश दिया इस अवसर पर उन्होंने छात्रों के साथ भोजन ग्रहण किया द्यनिरीक्षण के दौरान छात्रावास की व्यवस्थाएं को देखकर संयोजक श्री राठौर ने अधीक्षक बृजेश कुमार मौर्य की प्रशंसा की और सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की

संत रविदास जयंती मनाई

निवेश उद्योग और रोजगार को गति प्रदान करने वाला बजट : ममता

नवभारत न्यूज
मेहगांव, 1 फरवरी। केंद्रीय बजट 2026-27 पर भारतीय जनता की श्रीमती ममता भदौरिया प्रचार प्रसार महिला जिला सह संयोजक व पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष नगर परिषद अध्यक्ष मेहगांव व्दारा प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट भारत के सुनहरे और विकसित भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

एआई हमें विकास के पथ पर आगे लेजाने मे अग्रणी भूमिका निभाऐगा

कर्तव्य भवन में बना यह पहला बजट है, जिसमें देश के समग्र विकास और प्रत्येक नागरिक के चहुमुखी विकास को ध्यान में रखते हुए तीन प्रमुख कर्तव्यों-आर्थिक विकास एवं रोजगार वृद्धि, जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति तथा 'सबका साथ, सबका विकास' को केंद्र में रखते हुऐ प्रस्तावित किया गया है। श्रीमती ममता भदौरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला, मध्यम वर्ग और श्रमिक वर्ग के उत्थान के लिए मील का पत्थर साबित होगा ।इस बजट में वित्त मंत्री ने अति आधुनिक तकनीक की आवश्यकता पर भी जोर दिया। एआई की आवश्यता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि एआई हमें विकास के पथ पर आगे लेजाने मे अग्रणी भूमिका निभाऐगा।

एसआरएफ फाउंडेशन के सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण का आयोजन

नवभारत न्यूज
मालनपुर, 1 फरवरी। ग्रामीण क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों के छात्रों की प्रतिभाओं को निखारने और पुरस्कार देकर प्रोत्साहन करने के लिए मंच उपलब्ध करवाकर एसआरएफ फाउंडेशन के द्वारा ग्रामीण शिक्षा कार्यक्रम भिण्ड के अंतर्गत चयनित 10 विद्यालय के विजेता छात्रों के साथ रंग तरंग सांस्कृतिक प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन शासकीय पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोहद में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य धर्मेंद्र भारद्वाज द्वारा दीप प्रज्वलन, माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं वंदे मातरम् गीत के साथ की गई ।कार्यक्रम के दौरान एसआरएफ फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम अधिकारी चैन सिंह किरार के द्वारा मंच संचालन करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिता जैसे गीत , एकल एवं सामूहिक नृत्य, कठपुतली से कहानी सुनाना नाटक, ड्राइंग पेंटिंग, एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को श्याम किशोर भारद्वाज, विजय शर्मा और उपस्थित अतिथियों द्वारा एसआरएफ फाउंडेशन की ओर से मिल्टन लंच बॉक्स , मिल्टन बोतल आदि पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित करते हुए प्रोत्साहित किया गया।

श्याम किशोर भारद्वाज एवं संदीप सिंह कुशवाह के द्वारा छात्र एवं शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए बच्चों के साथ ईमानदारी और प्रतिबद्धता से कार्य करते हुए विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर बच्चों का सर्वांगीण विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु प्रेरित किया तथा सभी बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। बीईओ श्याम किशोर भारद्वाज एवं संदीप कुशवाह ने एसआरएफ फाउंडेशन द्वारा पिछले पांच वर्षों से भिंड जिले में सामाजिक कल्याण, विद्यालय विकास एवं बच्चों के भविष्य निर्माण, शिक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए नए नवाचारों की प्रशंसा की और बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

केन्द्रीय बजट 2026

टैक्स राहत से नौकरीपेशा खुश, पेंशनर-छात्रों को उम्मीद

बुद्धप्रकाश बौद्ध
दबोह, 1 फरवरी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026 को लेकर आमजन में सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। आयकर स्लैब में राहत, बुनियादी ढांचे पर बढ़ा खर्च, उपभोक्ता वस्तुओं के सस्ते होने और विदेशी शिक्षा से जुड़ी छूट को लेकर विभिन्न वर्गों ने बजट का स्वागत किया है।

आम उपभोक्ता बोले– महंगाई में मिलेगी राहत

आयकर स्लैब में राहत और छूट बढ़ने से वेतनभोगियों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। दबोह निवासी रामाधार सर्राफ ने कहा कि 'आयकर स्लैब में राहत और छूट बढ़ने से नौकरीपेशा वर्ग में संतोष देखा गया है। इससे मासिक बचत बढ़ेगी और घरेलू खर्चों में सहूलियत मिलेगी।'

इंफ्रास्ट्रक्चर से रोजगार की उम्मीद : सड़क, रेल और शहरी विकास पर बढ़े खर्च को लेकर उद्योग और कर्मचारियों में उत्साह है। दबोह के सुनील त्रिपाठी (कर्मचारी) ने कहा कि 'सड़क, रेल और शहरी विकास पर बढ़े खर्च से उद्योग जगत में उत्साह है। इससे काम के अवसर और रोजगार बढ़ेंगे।'

विदेश में पढ़ाई की योजना बनाने वाले विद्यार्थियों के लिए बजट में दी गई छूट को सकारात्मक कदम माना जा रहा है। भूपेंद्र कौरव ने कहा कि विदेशी शिक्षा पर दी गई छूट अच्छा कदम है, इससे विद्यार्थी विदेश में पढ़ने जा सकेंगे। कुल मिलाकर बजट 2026 को टैक्स राहत, इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश, उपभोक्ता हितैषी प्रावधानों और शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले कदमों के कारण सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अब देखना होगा कि ये घोषणाएं जमीनी स्तर पर कितनी तेजी से लागू होती हैं और आमजन को उनका वास्तविक लाभ कब तक मिलता है।

पेंशनरों को टैक्स फ्री आय से राहत

12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री किए जाने को पेंशनर वर्ग ने अहम कदम बताया। दबोह के डी. सी. मौर्य (पेंशनर) ने कहा कि 'अब 12 लाख तक की आय वालों को टैक्स नहीं देना होगा। यह वाकई अच्छा कदम है। मोबाइल, टैबलेट और इलेक्ट्रिक उत्पादों पर राहत से उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। दबोह निवासी गोविंद सिंह कुशवाह एवं जितेंद्र कौरव ने कहा 'इस बजट में आम लोगों को राहत मिली है। मोबाइल, टैबलेट, इलेक्ट्रिक आदि सामान सस्ते हुए हैं।'

समता मूलक समाज चाहते थे संत गुरु रविदास

बृजेंद्र पाल बंसल
मालनपुर, 1 फरवरी। संत गुरु रविदास जी एक महान संत और समाज सुधारक थे, जिन्होंने 15 वीं शताब्दी में समाज में व्याप्त जाति प्रथा और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई थी।

धूमधाम एवं हर्ष उल्लास के साथ मनाई गई संत रविदास जयंती

उन्होंने एक समता मूलक समाज की स्थापना का सपना देखा था, जहां सभी लोग समान हों और कोई भी व्यक्ति अपने जन्म के आधार पर ऊंचा या नीचा न माना जाए। यह बात मालनपुर क्षेत्र में स्थित संत गुरु रविदास आश्रम के महंत रामजी नंद महाराज ने संत गुरु रविदास जयंती के अवसर पर कही द्य यहां बता दें कि मालनपुर क्षेत्र में माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर संत गुरु रविदास जयंती बड़े ही धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आश्रम में उमड़ पड़ी, जहां उन्होंने संत रविदास जी के दर्शन किए और उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर आश्रम में भंडारे का आयोजन किया गया जहां श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर महंत रामजी नंद महाराज ने रविदास जी के जीवन और उनकी शिक्षाओं को बारीकी से समझाया और समाज में व्याप्त कुरीतियों को लेकर चर्चा की और युवाओं से नशा मुक्त समाज बनाने की अपील की। क्षेत्र में जगह-जगह लोगों ने संत गुरु रविदास जी की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई और रविदास जी के जयकारे लगाए एवं उनके गीत गाए।

संत रविदास जी की जयंती के अवसर पर लोगों ने एक दूसरे को बधाई दी और संत रविदास जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।